(29)

Roll No.....

Total No. of Questions : **5**]

[Total No. of Printed Pages : **2**

9T2JM8
8914
SANSKRIT
(Addl./Opt.)
(Term–2nd)

Time : **2½** Hours]

[Maximum Marks : **40**

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्यांश का अर्थ हिन्दी में लिखिए :

   (क) उद्यानस्यापरे विभागे अनेके पशवः सन्ति। सिंह-व्याघ्र-चित्रक-वृक-शृगाल-शम्बर-भल्ल-शूकरप्रभृतयः स्वे स्वे पञ्जरे तिष्ठन्ति। हरिण-शश-वानराणां स्थानं पृथगस्ति।

   (ख) अहं धनमिच्छामि। किं त्वं आणकचतुष्टयं इच्छसि ? सः पाषाणं क्षिपति। किमर्थं त्वं तुदसे ? सः स्तेनं पाशात् मुञ्चति। शिक्षकः बालकं प्रश्नं पृच्छति। 4

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का अर्थ हिन्दी में लिखिये :

   (क) अर्थनाशं मनस्तापं गृहे दुश्चरितानि च।
   वञ्चनं चापमानं च मतिमान्न प्रकाशयेत्॥

(ख) सुलभाः पुरुषा राजन्। सततं प्रियवादिनः।

अप्रियस्य च पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः।।

(ग) प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।

तस्मात्तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता॥

(घ) अहो ? दुर्जनसंसर्गान्मानहानिः पदे पदे।

पावको लोहसंगेन मुद्गरैरभिहन्यते॥ 6,6

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **12** शब्दों के अर्थ लिखिये :

शुकः, शशः, विपणि, उपसृत्य, आदाय, आणकः, अलम्, पुरा, भज, वन्य, असिपुत्री, कर्तरी, कादम्बरी, नगरी, विषण्णः, मृगया, मोघः, बाढम्। 12

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** शब्द के रूप सभी कारकों तथा सभी वचनों में लिखिए :

राम, हरि, साधु। 6

5. निम्नलिखित धातुओं के रूप लिखिये :

"भू" (भव्) धातु–लट् **अथवा** लङ् लकार में।

"पत्" धातु–लृट् **अथवा** लोट् लकार में। 3,3